राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
M.A. Hindi

Structure 1 (Level 6.5) : PG Curricular Structure with only course work/Structure 2 (Level 6.5): PG Curricular Structure with Course work + Research

Semester I (For One Year PG) / Semester III (For Two Year PG)

No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC7	**1.** आलोचना	
2	DSC8	**2.** सामान्य भाषा विज्ञान	
3	Pool ofDSE	**1.** शोध :प्रविधि ,प्रक्रिया एवं तकनीक **(अनिवार्य(**	
		2. स्त्री अस्मिता और हिंदी साहित्य	
		3. हिंदी की लोकनाट्य शैलियां	
		4. हिंदी जनसंचार माध्यमों का विकास	
		5. आधुनिक भारतीय साहित्य	
		6. हिंदी समाचार :निर्माण एवं लेखन	
4	Pool of GE (Any one)	**1.** हिंदी के संपादक-साहित्यकारों का निबंध साहित्य	
		2. हिंदी का लोकप्रिय साहित्य	
5	Pool of SBC (Any one)	**1.** प्रयोजनमूलक हिंदी	
		2. हिंदी रंगमंच : व्यावहारिक पक्ष	

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए.(हिंदी)
Semester I (For One Year PG)
Semester III (For Two Year PG)
DSC 7 आलोचना

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC- 7 **आलोचना**	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objectives)

- आलोचना की परंपरा से परिचय कराना।
- हिंदी आलोचना के प्रमुख सिद्धांतों एवं आलोचकों से परिचय कराना ।
- रचना के मूल्यांकन का आलोचकीय विवेक विकसित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course learning Outcome)

- विद्यार्थी रचना एवं समाज के अंतर्संबंधों को विश्लेषित कर सकेंगे ।
- साहित्य की सामाजिक भूमिका को समझ सकेंगे ।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय बोध से सम्पन्न होंगे ।

इकाई – 1 आलोचना: अर्थ अवधारणा और स्वरूप (13 घंटे)

- आलोचना : अर्थ, आलोचना की विभिन्न अवधारणाएँ और स्वरूप
- रेमंड विलियम्स, टेरी ईगलटन, रैनेवैलेक की अवधारणा
- सॉस्यूर, सार्त्र, रोलां बार्थ की अवधारणाएँ
- भारतेंदु युगीन आलोचना

इकाई – 2 हिंदी आलोचना का विकास-1 (12 घंटे)

- द्विवेदी युगीन आलोचना
- रामचंद्र शुक्ल

- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- नंददुलारे वाजपेयी

इकाई – 3 **हिंदी आलोचना का विकास-2** **(10 घंटे)**

- महादेवी वर्मा
- रामविलास शर्मा
- डॉ. नगेन्द्र
- नामवर सिंह

इकाई – 4 **हिंदी आलोचना का विकास-3** **(10 घंटे)**

- मुक्तिबोध
- विजयदेव नारायण साही
- मलयज
- मैनेजर पांडेय

व्यावहारिक कार्य

- समूह चर्चा करना।
- हिंदी आलोचना से संबंधित पुस्तकों की समीक्षा करना।
- हिंदी के प्रमुख आलोचकों और उनकी आलोचना दृष्टि पर टिप्पणी लेखन।
- रचनाकार, आलोचकों पर रिर्पाट लेखन।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य।

सहायक ग्रंथ :

- नवल, नंदकिशोर. *हिन्दी आलोचना का विकास* , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली, 2011
- त्रिपाठी, विश्वनाथ. *हिन्दी आलोचना*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1970
- शर्मा, रामविलास. *भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परंपरा*, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली, 1975
- सिंह, बच्चन. *आलोचक और आलोचना*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2025
- डॉ. नगेन्द्र. *नई समीक्षा नए संदर्भ*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1970
- शर्मा, रामविलास. *परंपरा का मूल्यांकन*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
- साही, विजयदेव नारायण. *छठवाँ दशक*, हिन्दुस्तानी एकेडेमी , प्रयाग, 1987
- मलयज, रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1987

- मलयज, कविता से साक्ष्तात्कार, संभावना प्रकाशन, 1979
- शर्मा, रामविलास. *महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1977
- वाजपेयी , नंददुलारे. *आधुनिक साहित्य,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1943
- सिंह, सुधा. *आधुनिक साहित्य और रामविलास शर्मा,* स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2002
- डॉ नगेन्द्र. *आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां,* गौतम बुक डिपो, दिल्ली, 1951
- पाण्डेय, मैनेजर. *साहित्य और इतिहास दृष्टि*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम.ए. (हिंदी)

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSC 8 सामान्य भाषा विज्ञान

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC 8 सामान्य भाषा विज्ञान	4	3	1	—		Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा के स्वरूप एवं क्षेत्र की पहचान कराना।
- भाषाविज्ञान की सैद्धांतिक समझ विकसित कराना ।
- भाषा एवं भाषाविज्ञान का तात्विक बोध।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम)Course Learning Outcomes(

- भाषा का सम्यक बोध हो सकेगा।
- भाषाविज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित होगी।
- भाषा एवं भाषाविज्ञान के अंगोंपांग से परिचित हो सकेंगे।

इकाई–1 : भाषा, संरचना और भाषा विज्ञान (13 घंटे)

- भाषा : अर्थ और परिभाषा, स्वरूप एवं लक्षण
- भाषाविज्ञान : परंपरा और विकास
- भाषाविज्ञान की अध्ययन-पद्धतियां
- भाषा संरचना और व्यवहार

इकाई–2 : ध्वनि विज्ञान (12 घंटे)

- स्वन की अवधारणा और स्वन परिवर्तन के कारण
- स्वनिम की संकल्पना
- स्वनिम के भेद
- स्वनिम और सहस्वन का निर्धारण

इकाई-3 : रूप एवं अर्थ विज्ञान (10 घंटे)

- रूप, रूपिम, सहरूप : अवधारणा एवं भेद
- अर्थतत्व एवं संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

इकाई-4 : वाक्य विज्ञान (10 घंटे)

- वाक्य की परिभाषा एवं वाक्य संरचना के तत्व एवं आधार
- वाक्य के प्रकार
- प्रोक्ति का स्वरूप
- प्रोक्ति विश्लेषण

व्यवहारिक कार्य :

- भाषिक नमूनों का संग्रहण।
- भाषा सर्वेक्षण।
- विभिन्न माध्यमों में भाषा के स्वरूप की पहचान।
- आसपास के परिवेश से मुहावरे और लोकोक्तियों का संग्रहण।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य।

सहायक ग्रंथ :

1. तिवारी, भोलानाथ . *भाषा विज्ञान*, किताबमहल, नई दिल्ली, 2022
2. शर्मा, देवेंद्रनाथ . *भाषाविज्ञान की भूमिका*, राधाक़ष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
3. तिवारी, उदयनारायण . *भाषाशास्त्र की रूपरेखा*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2017
4. शर्मा, रामविलास . *भाषा और समाज*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014

5. (अनुवाद :प्रसाद, डॉ .विश्वनाथ) .*भाषा :ब्लूमफील्ड*, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1968
6. सक्सेना, बाबूराम. *सामान्य भाषाविज्ञान*, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 2024
7. वर्मा, धीरेंद्र .*हिंदी भाषा का इतिहास*, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 2016
8. धल, श्री गोलोक बिहारी .*ध्वनिविज्ञान*, प्रेम बुक डिपो, आगरा, 1958

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. (हिंदी)
Course Work
Semester **I (For One Year PG)**
Semester III (For Two Year PG)
DSE 1– शोध : प्रविधि, प्रक्रिया एवं तकनीक

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE1 शोध : प्रविधि, प्रक्रिया एवं तकनीक	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित कराना।
- शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत कराना।
- शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
2. शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3. शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करेंगे।

इकाई –1:शोध का स्वरूप :सैद्धांतिक पक्ष (13 घंटे)

- शोध:स्वरूप एवं महत्व, शोध परिकल्पना एवं शोध प्रयोजन

- शोध के मूल तत्व ,शोध में तथ्य, तर्क, अनुमान, कल्पना, वस्तुनिष्ठता आदि की भूमिका
- शोध के उपकरण
- हिंदी साहित्य :शोध का इतिहास ,संभावनाएं एवं चुनौतियां

इकाई–2 :शोध के प्रकार (12 घंटे)

- मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोध और इनके क्षेत्र :साहित्यिक एवं वैज्ञानिक शोध, ऐतिहासिक तथा अंतरानुशासनिक शोध
- शोध की पद्धतियां अथवा प्रविधियां : समाजशास्त्रीय, तुलनात्मक, सर्वेक्षणपरक ,आलोचनात्मक, विश्लेषणात्मक, शैली वैज्ञानिक ,सांस्कृतिक अध्ययन
- पाठानुसंधान–स्वरूप और सीमा, पाठ निर्धारण की प्रक्रिया ,भाषा एवं लिपि, हस्तपाठ और समस्याएं, पाठ विकृतियां, शुद्ध पाठचयन के सामान्य सिद्धांत
- पाठानुसंधान ,पाठालोचन एवं साहित्यालोचन में अंतर

इकाई–3 :शोध के चरण एवं प्रक्रिया (10 घंटे)

- विषय चयन :शोध कार्य हेतु विषय चयन ,शोध समस्या का निर्धारण , शोध समस्या का सूत्रीकरण ,पूर्व शोधकार्य की समीक्षा
- शोध सामग्री संकलन की विभिन्न पद्धतियां (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार) ,सामग्री संकलन की उपयोग विधि: टीप(नोट्स) लेना, नोटकार्ड तैयार करना, दस्तावेजीकरण की विभिन्न शैलियां , संचित सामग्री की प्रमाणिकता की जांच
- स्रोतों के प्रकार: प्राथमिक स्रोत तथा द्वितीयक स्रोत ,परिशिष्ट
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति

इकाई – 4 : शोध संहिता एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग (10 घंटे)

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी 2016 या अद्यतन शोध-संबंधी अधिनियम ,शोध आचार संहिता–साहित्यिक चोरी तथा उपचार ,कॉपीराइट
- शोध में कंप्यूटर का उपयोग ,शोध और कंप्यूटर प्रौद्योगिकी ,शोध के क्षेत्र में ICT का प्रयोग ,शोध में इंटरनेट सामग्री का उपयोग
- ई-स्रोतों का परिचय और शोध में उनकी प्रासंगिकता ,वेबसाईट, पत्रिकाएं, पुस्तकें ,पुस्तकालय एवं ऑनलाइन आर्काइव का उपयोग एवं प्रयुक्ति
- सॉफ्टवेयर उपकरण : साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर, जैसे–टर्निटिन और उरकुंड

व्यावहारिक कार्य :

- शोध हेतु ई-सामग्री की वेबसाईट ,ऑनलाइन आर्काइव ,पत्रिकाओं एवं पुस्तकों की सूची तैयार करना ।
- शोध में सहायक सॉफ्टवेयर पर रिपोर्ट लेखन ।
- सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार हेतु प्रश्नावली का निर्माण ।
- साहित्य समीक्षा ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कार्य ।

सहायक ग्रंथ :

- सिन्हा एवं स्नातक ,सावित्री एवं विजयेन्द्र ;*अनुसंधान की प्रक्रिया* ,नैशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली
- शर्मा ,विनयमोहन ;*शोध प्रविधि* ,नैशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली
- सिंह ,सरनाम ;*शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका* ,आत्माराम एंड संस ,नई दिल्ली
- त्रिपाठी ,विनायक ;*शोध प्रविधि :अवधारणा एवं तकनीक* ,ओमेगा पब्लिकेशन ,नई दिल्ली
- गणेशन ,एस .एन ;.*अनुसंधान प्रविधि :सिद्धांत और प्रक्रिया* ,लोकभारती प्रकाशन ,प्रयागराज ,उत्तर प्रदेश

- सिंहल ,बैजनाथ ;*शोध :स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि* ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
- राजूरकर एवं बोरा ,भ.ह., एवं राजमल) संपादक), *हिंदी अनुसंधान का स्वरूप* ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,नयी दिल्ली
- सूरती ,डॉ .उर्वशी जे ;*अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप* ,हिंदी ग्रंथ रत्नाकर , मुंबई ,महाराष्ट्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए.(हिंदी)

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE 2 स्त्री अस्मिता और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 स्त्री अस्मिता और हिंदी साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives

- विद्यार्थियों को स्त्री अस्मिता की अवधारणा की समझ प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।
- हिंदी स्त्री लेखन की समृद्ध परम्परा से परिचित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी स्त्री लेखन के गांभीर्य को समझेंगें।
- विद्यार्थी समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता को दूर करने के प्रति सजग बनेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक समरसता को मजबूत करेंगे।

इकाई 1. सिद्धांत पक्ष **(13 घंटे)**

- स्त्री अस्मिता की अवधारणाएं और स्वरुप
- भारतीय और पाश्चात्य स्त्री अस्मिता की पृष्ठभूमि
- महिला आंदोलन और स्त्रीवाद का भारतीय परिप्रेक्ष्य
- पश्चिम में स्त्री आंदोलन और चेतना के विभिन्न् सोपान

इकाई 2. स्त्री-काव्य **(13 घंटे)**

- जुगलप्रिया: बगुला-भक्तन सों डरिये री (कविता)
- गोपाल देवी: भेड़ और भेड़िया (कविता)
- सुभद्रा कुमारी चौहान: वीरों का कैसा हो बसंत (कविता)
- विद्यावती कोकिल-घासवाली, मुझको मेरी मुक्ति मिल गई है।

इकाई 3. स्त्री कथा-साहित्य **(10 घंटे)**

- उषा देवी मित्रा: प्यासी हूँ (कहानी)
- होमवती देवी: सलूनों का त्योहार (कहानी)
- मंजुल भगत : सैलानियों का कश्मीर (कहानी)
- मैत्रेयीपुष्पा: इदन्नमम (उपन्यास)

इकाई 4. स्त्री लेखन : अन्य गद्य विधाएँ **(10 घंटे)**

सत्यवती मलिक: केसर के देश में (यात्रा साहित्य)

एक अज्ञात हिन्दू औरत: सीमंतनी उपदेश (आत्मकथा)

महादेवी वर्मा : आधुनिक नारी (निबंध)

नासिरा शर्मा : जहाँ फव्वारे लहू रोते हैं (यात्रा साहित्य)

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन

- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रन्थ

- माधव, नीरजा, *हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास (1857-1947)*, सामयिक बुक्स, नई दिल्ली, 2022
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर, सिंह, सुधा(सं.). *स्त्री-काव्यधारा*, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2006
- सिंह, सुधा(सं.). *स्त्री कथा*, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2005
- डॉ. धर्मवीर(सं.). *सीमंतनी उपदेश, एक अज्ञात हिन्दू औरत*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2017
- मिल, जॉन स्टुअर्ट. *स्त्री पराधीनता*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016
- वर्मा, महादेवी, *शृंखला की कड़ियाँ*, लोकभारती प्रकाशन, प्रयाग, 2008
- ग्रीयर, जर्मेन. *बधिया स्त्री*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2005
- सिंह, सुधा, *ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ*, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली, 2015
- वर्मा, अर्चना. *अस्मिता विमर्श का स्त्री स्वर*, मेधा बुक्स, दिल्ली, 2008
- सिंह, सुधा (सं.). *विषमता का कथा संसार, होमवती देवी की कहानियाँ*, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2026
- मिश्र, अल्पना. *स्त्री विमर्श का नया चेहरा*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2023

हिंदी विभाग
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. (हिंदी)
Semester I (For One Year PG)
Semester III (For Two year PG)
DSE3 हिंदी की लोकनाट्य शैलियां

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE3 हिंदी की लोकनाट्य शैलियां	**4**	**3**	**1**	**—**	स्नातक उत्तीर्ण	**Annexure**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को लोकनाट्य के स्वरूप से परिचित कराना ।
- लोकनाट्य की विभिन्न शैलियों की जानकारी देना ।
- लोकनाट्य की समृद्ध परंपरा से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

4. विद्यार्थी लोकनाट्य के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे ।
5. लोकनाट्य की विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी ।
6. लोकनाट्य की समृद्ध परंपरा से परिचय होगा ।

इकाई –1:लोकनाट्य की अवधारणा, स्वरूप एवं इतिहास (13 घंटे)

- लोकनाट्य की अवधारणा :परिभाषा एवं स्वरूप

- लोकनाट्य की परंपरा
- हिंदी नाटक एवं रंगमंच के विकास में लोकनाट्य का महत्व एवं योगदान

इकाई –2:लोकनाट्य के विविध रूपों का परिचय (12 घंटे)

- जात्रा)बंगाल,उड़ीसा ,(अंकिया-नाट और भाओना)असम ,(असमिया रास)असम ,(मणिपुरी रास)मणिपुर(
- भवई)गुजरात ,(तमाशा)महाराष्ट्र(
- भांड)पंजाब,कश्मीर ,(सांग) हरियाणा ,(नौटंकी)उत्तर प्रदेश ,(रामलीला)उत्तर प्रदेश ,(रासलीला)उत्तर प्रदेश ,(बिदेसिया)बिहार ,(ख़्याल)राजस्थान ,(कीर्तनिया)बिहार(
- यक्षगान)कर्नाटक ,(विथिनाटकम्) कर्नाटक(
- माच)मध्यप्रदेश(,पंडवानी),छत्तीसगढ़,(नाचा)छत्तीसगढ़(

इकाई –3:पाठ आधारित अध्ययन – 1 (10 घंटे)

- वीर अभिमन्यु – राधेश्याम 'कथावाचक '

इकाई –4:पाठ आधारित अध्ययन – 2 (10 घंटे)

- पारिजात हरण –श्रीमंत शंकर देव

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना /
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ:

- माथुर ,जगदीशचंद्र. *परंपराशील नाट्य*, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली, 2006
- कुमार) ,प्रो(. चंदन. *श्रीमंत शंकरदेव :जीवन और दर्शन* ,प्रभाकर प्रकाशन , दिल्ली, 2022
- कुमार, आचार्य)डॉ(. चंदन. *छत्तीसगढ़िया बहुरूपक* ,स्वराज प्रकाशन , दिल्ली, 2025
- सिन्हा ,दया प्रकाश.' *लोकरंग' उत्तर प्रदेश* ,उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान , लखनऊ ,उत्तर प्रदेश, 1990
- सामर ,देवीलाल. *भारतीय लोकनाट्य :वस्तु और शिल्प*,भारतीय लोककला मंडल,उदयपुर ,राजस्थान, 1976
- वात्स्यायन ,कपिला. बद्रीउज्जमा(अनु .(.*पारंपरिक भारतीय रंगमंचअनंत :* ,*धाराएं*राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ,नयी दिल्ली, 2024
- गार्गी ,बलवंत. *फोक थियेटर ऑफ इंडिया*, यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन प्रेस , अमेरिका,1966

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester I(For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE 4 हिंदी जनसंचार माध्यमों का विकास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE 4 हिंदी जनसंचार माध्यमों का विकास	**4**	**3**	**1**	**—**	स्नातक उत्तीर्ण	**Annexure**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- जनसंचार माध्यम की विकास यात्रा को स्पष्ट करना।
- रेडियो ,टेलीविजन व इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की विकास यात्रा को रेखांकित करना।
- जनसंचार माध्यमों के विकास यात्रा में डिजिटल प्रभाव को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

7. विद्यार्थी जनसंचार माध्यम की विकास यात्रा से परिचय प्राप्त करेंगे ।

8. विद्यार्थी रेडियो ,टेलीविजन व इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की विकास यात्रा से परिचित होंगे ।

9. विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों के विकास यात्रा में डिजिटल प्रभाव के बारे में परिचित होंगे ।

इकाई –1:जनसंचार की अवधारणा **(13 घंटे)**

- संचार और जनसंचार का एक सामान्य अवलोकन
- मीडिया ,तकनीक और समाज का अंतरसंबंध
- जनसंचार की प्रमुख अवधारणा

इकाई–2:प्रिन्ट मीडिया **(12 घंटे)**

- प्रिन्ट मीडिया का उद्भव
- आजादी के पूर्व प्रिन्ट मीडिया व हिन्दी पत्रकारिता
- आजादी के बाद प्रिन्ट मीडिया व हिन्दी पत्रकारिता
- संचार क्रान्ति व प्रिन्ट मीडिया

इकाई –3:रेडियो ,टेलीविजन व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया **(10 घंटे)**

- रेडियो को विकास यात्रा का अवलोकन
- टेलीविजन की विकास यात्रा
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की विकास यात्रा
- डिजिटलीकरण के दौर में रेडियो ,टेलीविजन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

इकाई–4: डिजिटल मीडिया (10 घंटे)

- डिजिटल मीडिया :एक परिचय
- संचार क्रांति ,डिजिटल मीडिया व समाज का अंतरसंबंध
- सोशल मीडिया :एक परिचय
- डिजिटल मीडिया व इंटरनेट के दौर में हिन्दी पत्रकारिता का बदलता स्वरूप :चुनौतियाँ व संभावनाएं

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना /
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद

- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ:

- वुड, मैकचेसनी. *पूंजीवाद और सूचना युग* , ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, 2006
- जोशी, पी.सी..*संस्कृति विकास और संचार क्रांति* , मेधा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2014
- मिश्र, कृष्ण बिहारी. *हिन्दी पत्रकारिता*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,2022
- रॉबिन्स, जेफ्री. *भारत की समाचारपत्र क्रांति*, भारतीय जनसंचार संस्थान, दिल्ली,2004
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर. *हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका* , अनामिका पब्लिशर्स एडं डिस्ट्रीब्यटर्स लिमिटेड (.प्रा), दिल्ली, 1997
- जोशी, शिवप्रसाद. *वेब पत्रकारिता नया मीडिया रूझान,* राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2012
- सिंह, कुमार अजय. *मीडिया की बदलती भाषा*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. (हिंदी)
Semester I (For One Year PG)
Semester III (For Two Year PG)

DSE 5 आधुनिक भारतीय साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE 5 **आधुनिक भारतीय साहित्य**	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में तुलनात्मक साहित्य की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों में भारतीय साहित्य में चित्रित भारतीय सांस्कृतिक वैविध्य की पहचान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी भारतीय साहित्य की अवधारणा समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करने के क्रम में तुलनात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी साहित्य में चित्रित भारतीय संस्कृति के वैविध्य से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1 भारतीय साहित्य की संकल्पना (13 घंटे)

(क) भारतीयता : अर्थ और अवधारणा

(ख) भारतीय साहित्य की एकात्मकता

(ग) भारतीय साहित्य का वैशिष्ट्य

(घ) भारतीय साहित्य के सांस्कृतिक आधार और मूल्यबोध

इकाई 2 भारतीय साहित्य : कविता (13 घंटे)

(क) बंकिम चंद्र चटोपाध्याय(बांग्ला) – वंदेमातरम् (1882, आनंदमठ)

(ख) सुब्रह्मण्यम भारती (तमिल) – भारत माता की नवरत्न माला

(ग) सीताकान्त महापात्र (उड़िया) – प्रतिवेशी, जाराशबर का संगीत

(घ) बृजनारायण 'चकबस्त', 'खाक़-ए-हिंद'

इकाई 3 भारतीय साहित्य : कथा साहित्य (10 घंटे)

(क) भैरप्पा (कन्नड़ उपन्यास) – आवरण

(ख) गुमशुदा गाँव (गुजराती कहानी)– भावजी महेश्वरी

(ग) एक अविस्मरणीय यात्रा (असमिया कहानी) – इंदिरा गोस्वामी

(घ) लाल लुंगी (कन्नड़ कहानी) – बानू मुश्ताक

इकाई 4 भारतीय साहित्य : नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं (10 घंटे)

(क) नट सम्राट (मराठी नाटक) – विष्णु वामन शिखाडकर

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ

- डॉ नगेन्द्र(सं.). *भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास*, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2009
- शर्मा, डॉ. रामविलास. *भारतीय साहित्य की भूमिका*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2017
- शर्मा, डॉ. रामविलास. *भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2019
- श्रीनिवासराव, के. *भारतीय साहित्य और संस्कृति*, भावना प्रकाशन, दिल्ली, 2023
- दिनकर, रामधारी सिंह. *संस्कृति के चार अध्याय*, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2024
- सुब्रह्मण्यम. त्रिपाठी, कुमार प्रभात (अनु.). उदगाता, श्रीनिवास. पुरोहित, शंकरलाल. *राष्ट्रीय कविताएं एवं पांचाली शपथम*, जयश्री प्रकाश, दिल्ली,
- अपनी स्मृति की धरती, सीताकान्त महापात्र, अनुवादक प्रभात कुमार त्रिपाठी, श्रीनिवास उदगाता, शंकरलाल पुरोहित, जयश्री प्रकाशन, दिल्ली
- सुबह-ए-वतन, पं. बृज नारायण चकबस्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- गुरूदत्त, प्रधान (अनु.). *आवरण, भैरप्पा*, किताबधर प्रकाशन, दिल्ली, 2010
- केलकर, र.श. (अनु.). *नट सम्राट, विष्णु वामन शिरवाडकर*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
- चट्टोपाध्याय, बंकिमचंद्र, आनंदमठ, लोकभारती प्रकाशन, 2026

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE 6 हिंदी समाचार : निर्माण एवं लेखन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE 6 हिंदी समाचार : निर्माण एवं लेखन	4	3	1	0		—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को समाचार की अवधारणा तथा संरचना की समझ प्रदान करना।।
- समाचार लेखन के विभिन्न रूपों और तकनीकों का अभ्यास कराना।
- प्रिंट, रेडियो, टीवी और ऑनलाइन माध्यमों में समाचारों के लेखन क्षमता को विकसित करना।
- समाचार लेखन के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी समाचार की अवधारणा तथा संरचना की समझ प्राप्त कर सकेंगे।
- समाचार लेखन के विविध रूपों और तकनीकों से परिचित होंगे।
- विविध माध्यमों के लिए समाचार लेखन करना सीख सकेंगे।
- समाचार लेखन में दक्षता प्राप्त कर रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।

इकाई-1: समाचार निर्माण और संपादन : सामान्य परिचय (13 घंटे)

- समाचार : अर्थ, तत्त्व एवं प्रकार
- समाचार के स्रोत : संवाददाता, संवाद समिति, सोशल मीडिया, प्रेस विज्ञप्ति
- फील्ड रिपोर्टिंग : तकनीक और चुनौतियाँ
- समाचार लेखन के सिद्धांत, संपादन का सिद्धांत

इकाई-2: समाचार निर्माण : प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (12 घंटे)

- पृष्ठ सज्जा, पेज मेकिंग ले-आउट और डिजाइनिंग, प्रूफ़ रीडिंग

- ❖ समाचार की संरचना - शीर्षक, वाय लाइन, लीड बॉडी, टेल
- ❖ रेडियो और टेलीविजन : समाचार संकलन, कॉपी लेखन, वाचन
- ❖ समाचार निर्माण (कैमरा, माइक, लाइटिंग, ग्राफिक्स और वीएफएक्स, एडिटिंग

इकाई-3: समाचार निर्माण का आधुनिक संदर्भ (10 घंटे)

- ❖ डिजिटल न्यूज़रूम
- ❖ न्यूज़ पोर्टल, मोबाइल जर्नलिज़्म (MoJo)
- ❖ ऑडियो–विजुअल समाचार, सोशल मीडिया
- ❖ एआई और डेटा–आधारित समाचार उत्पादन, सत्यापन की चुनौतियाँ

इकाई-4 : समाचार लेखन: व्यावहारिक कार्य (10 घंटे)

- ❖ न्यूज़ कॉपी तैयार करना (प्रिंट/ऑनलाइन/ऑडियो विजुअल)
- ❖ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए प्रेस विज्ञप्ति से समाचार तैयार करना
- ❖ ऑनलाइन और मोबाइल पत्रकारिता के लिए लेखन
- ❖ मल्टीमीडिया न्यूज़ कंटेंट की भाषा, सोशल मीडिया पोस्ट और कैप्शन लेखन

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना।
- किसी विषय पर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए समाचार तैयार करना।
- समाचार का संपादन करना, कॉपी लेखन करना।
- प्राप्त डाटा को समाचार में रूपांतरित करना।
- मोबाइल की सहायता से दो से पांच मिनट का समाचार क्लिप तैयार करना।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य।

सहायक ग्रंथ :

- हरिमोहन, समाचार, *फीचर लेखन एवं संपादन कला*, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2023
- नारायणन, के.पी. *संपादन कला*, हिंदी ग्रंथ अकादमी, मध्यप्रदेश, 2011
- शर्मा, श्यामसुन्दर. *आधुनिक समाचार पत्र मुद्रण और पृष्ठ सज्जा*, हिंदी ग्रंथ अकादमी, मध्यप्रदेश, 2012
- सिंह, सुधा. *सूचना समाज*, नॉटनल

- परांजपे, वी. के. *समाचार लेखन और संपादन,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- शर्मा, रमेश. *पत्रकारिता के सिद्धांत और समाचार लेखन,* माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय प्रकाशन, भोपाल, 2012
- शर्मा, रमेश. *समाचार निर्माण और संपादन कला,* भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 2013
- दाधीच, बालेन्दु शर्मा. *तकनीक तेरे कितने आयाम,* प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2022

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020**

एम. ए. (हिंदी)

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

GE1 हिंदी के संपादक-साहित्यकारों का निबंध साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE1 हिंदी के संपादक-साहित्यकारों का निबंध साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- निबंध की अवधारणा एवं प्रकार से परिचित कराना।
- संपादक-साहित्यकारों-पत्रकारों द्वारा लिखे गए निबंधों की जानकारी देना।
- पत्रकारों द्वारा लिखे गए हिंदी निबंधों की चेतना से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी निबंध की अवधारणा से परिचित होंगे।
- संपादक-साहित्यकारों द्वारा लिखे गए निबंधों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- निबंधों में व्यक्त चेतना से अवगत होंगे।

इकाई–1 : हिंदी निबंध : अर्थ एवं अवधारणा (13 घंटे)

- हिंदी निबंध :अर्थ ,अवधारणा एवं प्रकार
- हिंदी निबंध का विकास
- हिंदी के प्रमुख संपादक-साहित्यकारों की परंपरा

- संपादक-साहित्यकारों के निबंध :वैशिष्टय और सीमाएं

इकाई–2:संपादक-साहित्यकारों के निबंध–1(12घंटे)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र – जातीय संगीत
- महावीर प्रसाद द्विवेदी– स्त्रियों का सामाजिक जीवन
- प्रेमचंद– मानसिक पराधीनता
- हीरा देवी चतुर्वेदी)मनोरमा ,संपादक : (भारतीय नारी की आकांक्षा

इकाई – 3 :संपादक-साहित्यकारों के निबंध–2(10घंटे)

- गणेश शंकर विद्यार्थी : स्वराज्य की आकांक्षा
- राधामोहन गोकुल: सत्यं शिवं सुंदरम्
- प्रभाष जोशी : नर्मदा के बरमान घाट पर जिनकी झोंपड़ी
- महादेवी वर्मा :हमारी श्रृंखला की कड़ियां 1 –

इकाई –4 :संपादक-साहित्यकारों के निबंध–3(10घंटे)

- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय : 'कला भाषा और औपनिवेशिक मानस
- धर्मवीर भारती : आधुनिकता अर्थात् संकट का बोध
- मृणाल पांडेय :गरीबी का महिलाकरण
- रघुवीर सहाय : ऊबे हुए सुखी

व्यावहारिक कार्य:

- समूह चर्चा करना ।
- संपादक-साहित्यकारों द्वारा लिखे गए अन्य निबंधों की समीक्षा करना ।
- वर्तमान में निबंध लेखन में सक्रिय संपादक-साहित्यकारों की सूची तैयार करना एवं रिपोर्ट लेखन।
- वर्तमान संपादक-साहित्यकारों के साक्षात्कार ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य ।

सहायक ग्रंथ:

- सिंह ,सुधा) संपादक.(*हिंदी का आरंभिक स्त्री चिंतन,* एकेडमिक पब्लिकेशन , 2024
- जोशी ,प्रभाष.*मसिकागद,* राजकमल प्रकाशन2010 ,
- तिवारी ,विनोद) संपादक.(*आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी के श्रेष्ठ निबंध,* लोकभारती प्रकाशन2016 ,
- वर्मा एवं गोयनका ,निर्मलएवं कमल किशोर)संपादक,(*प्रेमचंद रचना संचयन,* साहित्य अकादेमी2006 ,
- सहाय ,रघुवीर.*ऊबे हुए सुखी,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,प्रथम संस्करण 1983
- शिशिर ,कर्मेंदु) संपादक.(*राधामोहन गोकुल की प्रतिनिधि रचनाएं* ,संभावना प्रकाशन2003 ,
- रस्तोगी ,गिरीश) चयन एवं संपादन.(*भारतेंदु रचना संचयन,* साहित्य अकादमी 2010 ,
- सलिल ,सुरेश) चयन एवं संपादन.(*गणेश शंकर विद्यार्थी संचयन,* साहित्य अकादमी 2014 ,
- पांडेय ,मृणाल .*परिधि पर स्त्री,* राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली1996 ,

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020**

एम. ए. (हिंदी)

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

GE 2 हिंदी का लोकप्रिय साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE 2 हिंदी का लोकप्रिय साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को लोकप्रिय साहित्य के अर्थ ,अवधारणा और परंपरा से परिचित कराना ।
- लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति के अंतरसंबंधों की जानकारी देना ।
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य के महत्व ,तत्वों और उपलब्धियों से परिचित कराना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी लोकप्रिय साहित्य के अर्थ ,स्वरूप ,परंपरा और महत्व से परिचित होंगे ।
- लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति के साम्य-वैषम्य की जानकारी प्राप्त करेंगे ।
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य के तत्वों ,उपलब्धियों और इनके व्यापक प्रसार के कारणों से परिचित होंगे ।

इकाई –1 : लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति और वैश्विक संदर्भ (13 घंटे)

- लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति :अर्थ, प्रकृति एवं अवधारणा

- लोकप्रिय साहित्य का इतिहास :वैश्विक संदर्भ
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य का विकास :युग ,परिवेश और तत्व
- तिलस्मी, ऐय्यारी ,जासूसी एवं रोमानी साहित्य ,मंचीय कविता, लोकप्रिय सम्मेलनी गीत

इकाई – 2 : लोकप्रिय साहित्य : परंपरा,विकास, तत्व और बाजार की संस्कृति (12घंटे)

- शिष्ट-शास्त्रीय साहित्य एवं लोकप्रिय साहित्य का अन्तर्सम्बन्ध
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य की प्रवृत्तियाँ :मनोरंजन, पठनीयता, कल्पना व रोमांच
- लोकप्रिय साहित्य :यथार्थ से सम्बन्ध ,बाजार की संस्कृति और लोकप्रिय साहित्य
- लोकप्रिय साहित्य :विषय-वस्तु ,भाषा और सोशल मीडिया

इकाई – 3 :हिंदी का लोकप्रिय साहित्य : पाठ-संदर्भ और विश्लेषण–1 (10घंटे)

- चंद्रकांता:देवकीनंदन खत्री
- अद्भुत लाश:गोपालराम गहमरी
- चौदह फेरे:शिवानी
- किस्मत का खेल :सुरेंद्र मोहन पाठक

इकाई –4 :हिंदी का लोकप्रिय साहित्य: पाठ-संदर्भ और विश्लेषण – 2(10घंटे)

- अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार ,दहेज की बारात ,अमंगल आचरण,सारे जहां से अच्छा :काका हाथरसी
- दो दिलों के दरमियां, बेटियां ,उंगलियां थाम के खुद,उतनी दूर पिया तू मेरे गांव से :कुंवर बेचैन
- आओ साथ हमारे ,कल हमारा है ,तू जिंदा है तो जिंदगी की जीत पर यकीन कर ,पंद्रह अगस्त:शंकर शैलेंद्र
- सिक्के की औकात ,नया आदमी ,जंगल गाथा,मेमने ने देखे जब गैया के आंसू :अशोक चक्रधर

व्यावहारिक कार्य:

- समूह परिचर्चा करना।
- इस प्रश्न से संबंधित रचनाओं की समीक्षा करना।
- लोकप्रिय साहित्य के सामाजिक प्रभाव को समझना।
- लोकप्रिय साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का साक्षात्कार।
- हिंदी के लोकप्रिय साहित्य की प्रमुख विद्याओं की प्रतिनिधि कृतियों की सूची तैयार करना ।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

- पचौरी ,सुधीश. *पापुलर कल्चर,*राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2004.
- एडार्नो ,टी .डब्ल्यू.*संस्कृति उद्योग,*ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, दिल्ली ,प्रथम हिंदी संस्करण, 2006.
- ग्राम्शी ,एंटोनियो.*सांस्कृतिक और राजनीतिक चिंतन के बुनियादी सरोकार,*ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, दिल्ली .2012
- रंजन ,प्रभात. *पापुलर हिंदी लुगदी हिंदी,* जानकीपुल .2017 ,
- Fiske, John.*Understanding Popular Culture,*Routledge, 1989.
- बेचैन ,कुंअर.*दिन दिवंगत हुए,* हिंदी साहित्य निकेतन.2005 ,
- कृष्ण ,संजय)सं..(*गोपालराम गहमरी की जासूसी कहानियां,* प्रभात प्रकाशन,दिल्ली ,2019.
- सुधांशु एवं सिंह ,डॉ.अनिरुद्ध कुमार एवं हेमंत कुमार.*लोकप्रिय हिंदी साहित्य,* श्री नटराज प्रकाशन,दिल्ली.2024 ,

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)
SBC1 प्रयोजनमूलक हिंदी

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
SBC1 प्रयोजनमूलक हिंदी	2	1	0	1	BA (H.) Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- प्रयोजनमूलक हिंदी की आधारभूत समझ विकसित करना ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी और हिंदी के अन्य भाषा रूपों के साथ अंत:संबंध से परिचय कराना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- प्रयोजनमूलक हिंदी की आधारभूत समझ विकसित होगी ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के उद्देश्य एवं प्रयोग क्षेत्र का परिचय प्राप्त हो सकेगा ।
- रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से प्रयोजनमूलक हिंदी के महत्व की जानकारी प्राप्त होगी ।

इकाई-1: प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ स्वरूप एवं प्रकार (..... घंटे)

- प्रयोजनमूलक हिंदी का अभिप्राय, विशेषताएं
- कार्यालयी हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी में अंतर
- वित्त–वाणिज्य एवं बैंकिग के क्षेत्र की हिंदी : स्वरूप, तत्व और विशेषताएं
- विधि, संचार माध्यम और विज्ञापन की हिंदी : स्वरूप, तत्व और विशेषताएं

इकाई- 2 :प्रयोजनमूलक हिंदी : व्यावहारिक कार्य (..... घंटे)

- प्रशासनिक पत्राचार लेखन–सामान्य आदेश, परिपत्र, टिप्पण लेखन, प्रतिवेदन,आवेदन
- प्रशासनिक शब्दावली और उसका प्रयोग

- प्रमुख अभिव्यक्तियों और वाक्यांशों के अर्थ और अनुप्रयोग
- प्रमुख पदनाम और संक्षिप्तियां

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ:

- गोस्वामी, प्रो. कृष्ण कुमार; प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा पब्लिकेशंस, दिल्ली
- मिश्र,राजेंद्र; प्रयोजनमूलक हिंदी और जनसंचार,तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- सोनटक्के, माधव; प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- पाण्डेय, कैलाश नाथ; प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- श्रीवास्तव, राजेंद्र प्रसाद;प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. (हिंदी)
Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)
SBC2 हिंदी रंगमंच : व्यावहारिक पक्ष

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
SBC2 हिंदी रंगमंच : व्यावहारिक पक्ष	2	1	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को रंगमंच के विभिन्न घटकों से परिचित कराना ।
- रंगमंच के विविध व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देना ।
- नाटक की प्रस्तुति प्रक्रिया से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

10. विद्यार्थी रंगमंच के विविध घटकों से परिचित हो सकेंगे ।
11. रंगमंच के विविध व्यावहारिक पक्षों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी ।
12. नाटक की प्रस्तुति प्रक्रिया से परिचय होगा ।

इकाई –1:रंगमंच की सृजन प्रक्रिया (.... घंटे)

- नाटककार एवं नाटक –भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चन्द्र माथुर, बर्तोल्त ब्रेख्त
- निर्देशक एवं प्रस्तुति आलेख – रामगोपाल बजाज, इब्राहिम अल्का जी, देवेन्द्र राज अंकुर, सत्यदेव दुबे

- अभिनेता एवं अभिनय –
- मूल आलेख, सृजनशीलता एवं देशकाल

इकाई –2:रंगमंच की प्रस्तुति प्रक्रिया (.... घंटे)

- मंच सज्जा)ध्वनि ,संगीत ,नृत्य एवं प्रकाश(
- संवाद-लेखन तिप्रस्तु/
- प्रस्तुति पूर्व अभ्यास) रिहर्सल (
- प्रस्तुति /मंचन

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना /
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायकग्रंथ:

- जैन ,नेमिचंद्र . *रंगदर्शन*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2023
- जैन ,नेमिचंद्र. *दृश्य-अदृश्य*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,1994
- तनेजा,जयदेव. *आधुनिक भारतीय रंगलोक*, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2006
- अंकुर ,देवेंद्रराज. *रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2023
- अंकुर ,देवेंद्रराज . *अंतरंग-बहिरंग*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,2013
- ओझा ,डॉ .दशरथ . *हिंदी नाटक उद्भव और विकास*, राजपाल एंड संस, दिल्ली,2013
- प्रसाद ,जयशंकर . *काव्य कला तथा अन्य निबंध*, डायमंड पॉकेट बुक्स, दिल्ली ।
- कुमार ,आचार्य)डॉ (.चंदन . *रंग का लोक* ,स्वराज प्रकाशन ,दिल्ली ।

- कुमार ,सिद्धनाथ .*नाटकालोचन के सिद्धांत*, भावना प्रकाशन, दिल्ली
- मलिक कुसुमलता. *स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग*, इंडियन पब्लिशर डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, दिल्ली, 2009

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
M.A. Hindi
Structure 3 (Level 6.5) : Research
Semester I (For One Year PG) / Semester III (For Two Year PG)

No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC 1	1. शोध : क्षेत्र, विषय और संभावनाएं	
2	Pool of DSE (For I/III Sem)	1. आदिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं	
		2. भक्तिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं	
		3. रीतिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं	
		4. आधुनिक कविता : शोध की संभावनाएं और समस्याएं	
		5. काव्यशास्त्र : शोध की संभावनाएं और समस्याएं	
3	Research Methodology	1. शोध : प्रक्रिया, प्रविधि एवं दिशाएं	

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी
Structure 3 (Level 6.5): Research
सेमेस्टर I (For One Year PG)
सेमेस्टर III (For Two Year PG)
DSC 1 – शोध: क्षेत्र, विषय और संभावनाएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 1 **शोध : क्षेत्र, विषय और संभावनाएं**	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित कराना ।
- हिंदी भाषा एवं साहित्य से संबंधित विभिन्न समस्या मूलक शोध विषयों की जानकारी देना ।
- हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं से अवगत कराना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित होंगे ।
- हिंदी भाषा एवं साहित्य से संबंधित विभिन्न समस्या मूलक शोध विषयों की जानकारी प्राप्त होगी।
- हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं से अवगत होंगे।

इकाई 1 : मध्यकालीन हिंदी साहित्य (8वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी तक) (13 घंटे)

- आदिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं

- भक्तिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- रीतिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं और समस्याएं

इकाई 2 : आधुनिक हिंदी साहित्य (कविता, नाटक-रंगमंच, कथा साहित्य एवं अन्य गद्य विधाएं) (12 घंटे)

- कविता: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- नाटक एवं रंगमंच: शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- कथा साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं
- अन्य गद्य विधाएं : शोध की संभावनाएं और समस्याएं

इकाई 3 : प्रमुख शोध दृष्टियां (10 घंटे)

- शास्त्रीय दृष्टि
- मनोविश्लेषणवादी दृष्टि
- सांस्कृतिक अध्ययन
- समाजशास्त्रीय दृष्टि
- मार्क्सवादी दृष्टि

इकाई 4 : हिंदी साहित्य में शोध के नवीन क्षेत्र (10 घंटे)

- स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य
- दलित विमर्श और हिंदी साहित्य, जनजातीय विमर्श, विकलांग विमर्श और हिंदी साहित्य
- भाषा विज्ञान, अनुवाद
- जनसंचार माध्यम के विविध रूप और हिंदी साहित्य

व्यावहारिक कार्य :

- हिंदी भाषा एवं साहित्य में संभावित शोध विषयों की सूची तैयार करना ।
- हिंदी भाषा एवं साहित्य विषयक शोध में सहायक सॉफ्टवेयर पर रिपोर्ट लेखन ।
- सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार हेतु प्रश्नावली का निर्माण ।
- साहित्य समीक्षा ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कार्य ।

सहायक ग्रंथ:

- शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश ।
- द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, संस्करण, दिल्ली
- सिंह, नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण.2008 उत्तर प्रदेश ।
- तिवारी, रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर, संस्करण.2016 उत्तर प्रदेश।

- जैन, नेमिचंद; रंगदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण.2015, नई दिल्ली ।
- शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण.2014, नई दिल्ली ।
- शर्मा, राम विलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- सिंह, सुधा, जनमाध्यम सैद्धांतिकी मॉडल और विचारधारा, एकैडमिक पब्लिकेशन, 2021, दिल्ली ।
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर; दलित साहित्य और विचारधारा, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2021 दिल्ली ।
- विद्यार्थी, ललित प्रसाद; भारतीय आदिवासी, उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि,
- रविकांत; हिंदी सिनेमा का साहित्यिक परिदृश्य, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली ।
- मुकुल, मंजु; मीडिया में अनुवाद का संप्रेषणधर्मी नवीन मॉडल, हंस प्रकाशन, दिल्ली ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE - **आदिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं**

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **आदिकालीन साहित्य : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं**	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को आदिकालीन हिंदी साहित्य के विभिन्न शोध क्षेत्रों से परिचित कराना।
- आदिकालीन साहित्य संबंधी विभिन्न समस्यामूलक शोध विषयों की जानकारी देना।
- आदिकालीन साहित्य में शोध की संभावनाओं से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में आदिकालीन साहित्य की काल-निर्धारक शोध दृष्टि विकसित हो सकेगी।
- आदिकालीन साहित्य संबंधी विभिन्न समस्यामूलक शोध विषयों से अवगत हो सकेंगे।
- आदिकालीन साहित्य के विविध क्षेत्रों एवं विषय संबंधी शोध की संभावनाओं का बोध होगा।

इकाई 1 : आदिकालीन हिंदी साहित्य : काल विभाजन और नामकरण (10 घंटे)

- आदिकालीन हिंदी साहित्य का आरंभ
- काल निर्धारण का ऐतिहासिक एवं भाषिक आधार
- आदिकाल का नामकरण संबंधी विविध दृष्टिकोण
- आदिकाल एवं भक्तिकाल : हिंदी साहित्य का संक्रांति स्थल

इकाई 2 : आदिकालीन साहित्य के पाठ-अनुसंधान की समस्याएं (13 घंटे)

- पाठ अनुसंधान के प्राथमिक स्रोत

- पाठ के विविध संस्करणों की उपलब्धता एवं प्रामाणिकता का प्रश्न
- आदिकालीन भाषा काव्य और अर्थ अन्वेषण
- उपलब्ध पाठों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ

इकाई 3 : आदिकालीन रासक एवं रासो काव्य : शोध की संभावनाएं (11 घंटे)

- रास काव्य की परंपरा
- रासक काव्य की सौन्दर्य चेतना
- रासो काव्य का स्वरूप एवं अर्थ अन्वेषण
- रासो काव्य की प्रामाणिकता का प्रश्न एवं लोक मान्यताएं

इकाई 4 : आदिकालीन हिंदी साहित्य की भाषा एवं विविध काव्यरूप (11 घंटे)

- अपभ्रंश और हिंदी का अंतःसंबंध
- अपभ्रंश की साहित्यिक परंपरा : सिद्ध एवं नाथ साहित्य
- अपभ्रंश के विविध काव्यरूप और प्रारंभिक हिंदी
- विद्यापति, अमीर खुसरो एवं अन्य रचनाकारों की भाषा एवं काव्यरूप

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा,2025, वाराणसी
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य का आदिकाल,वाणी प्रकाशन, 2021
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, संस्करण.2017 दिल्ली
4. गुलेरी, चंद्रधर शर्मा. पुरानी हिंदी, नागरी प्रचारिणी सभा, संस्करण.1960 वाराणसी
5. त्रिपाठी, राममूर्ति. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादेमी, संस्करण.1973 भोपाल
6. सिंह, नामवर. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण.1952 प्रयागराज
7. राय, अनिल. आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएं, वाणी प्रकाशन, संस्करण.2024 दिल्ली
8. कोछड़, हरिवंश. अपभ्रंश साहित्य, आत्माराम एण्ड संस, संस्करण.1965, दिल्ली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – भक्तिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **भक्तिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं**	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भक्तिकाल की सामाजिक,धार्मिक,सांस्कृतिक और भाषा-आधारित पृष्ठभूमि को समझाना ।
- भक्तिकालीन काव्य और साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियां,कवि तथा संप्रदायों का ज्ञान विकसित करना ।
- भक्तिकालीन साहित्य के आलोचनात्मक विमर्श,समकालीन प्रासंगिकता और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की पहचान करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भक्तिकालीन साहित्य के सामाजिक,धार्मिक,भाषाई और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को समझने में सक्षम होंगे ।
- भक्तिकाल पर विभिन्न समकालीन आलोचनात्मक दृष्टिकोण (जैसे नारीवादी,दलित,उत्तर-औपनिवेशिक) से विचार कर सकते हैं ।
- भक्ति साहित्य के प्रति गहरी समझ, सांस्कृतिक सहिष्णुता, मानवता और समाज सुधार के प्रति जागरूकता विकसित होगी ।

इकाई 1 : भक्तिकाल का उदय

- भक्ति कविता और भारतबोध
- राजनीतिक हस्तक्षेप, विदेशी आक्रमण और धार्मिक दृष्टि
- अवतरवाद, लीला, लोक और भारतीय समाज
- भक्तों की यात्राएं, भाषा संस्कार और भारतभाव

इकाई 2 : भक्ति साहित्य : दार्शनिक पीठिका

- अद्वैत, विशिष्टाद्वैत
- द्वैत, द्वैताद्वैत
- शुद्धाद्वैत, सूफ़ी
- भक्तिकाल की धाराएं

इकाई 3 : भक्तिकाल का आदर्शलोक

- संत काव्यधारा
- सगुण काव्यधारा
- निर्गुण काव्यधारा
- सूफ़ी काव्यधारा

इकाई 4 :भक्तिकाल का सातत्य : शिल्प और उत्सव का आरोहण

- गार्हस्थ्य बोध की प्रेम कविताएं
- काव्यशास्त्रीय पदचिह्न : शिल्प का सौंदर्य
- निर्गुण-सगुण अभिव्यक्ति का अभिव्यंजना कौशल
- संस्कृति का उत्सव बोध : रस का लोकतंत्र

व्यावहारिक कार्य:

- भक्ति काल के उदय की विभिन्न मान्यताओं पर समूह चर्चा
- भक्ति काल के दार्शनिक पक्षों को साथ रखकर भक्त कवियों की समीक्षा करना
- वर्तमान में भक्त कवियों के स्वप्नलोक की प्रासंगिकता की दृष्टि से लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1929.
2. ताराचंद, भारतीय संस्कृति में इस्लाम का प्रभाव, ग्रंथ शिल्पी, इंडिया
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद. हिंदी साहित्य की भूमिका. हिंदी–ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, बंबई, 1940.
4. शर्मा, कृष्ण गोपाल, भारत की संत परंपरा और सामाजिक समरसता, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2011
5. शर्मा, रामविलास. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2001.
6. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1-2, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1959-1960.
7. सिंह, सुधा (सं.), मध्यकालीन साहित्य विमर्श, ई-बुक, नॉटनल डॉट कॉम
8. पचौरी, सुधीश, तीसरी परंपरा की खोज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2019

9. ., आचार्य (डॉ.) चन्दन. ... हिंदुवानी हों रहूँगी, भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली, 2025

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. (हिंदी)
Structure 3 (Level 6.5) : Research
Semester I (For One Year PG)
Semester III (For Two Year PG)
DSE – रीतिकालीन साहित्य: शोध की सम्भावनाएँ एवं समस्याएँ

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **रीतिकालीन साहित्य: शोध की संभावनाएं एवं समस्याएँ**	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य की साहित्यिक, सौन्दर्यशास्त्रीय और कला बोध की परम्परा से परिचित कराना.
- विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों, साहित्यायिक तत्वों और उसके सामाजिक संदर्भों की जानकारी देना.
- रीतिकालीन साहित्य के माध्यम से भारतीय सौन्दर्यबोध की मान्यताओं, काव्यशास्त्रीय मानदंडों और भाषाई उपलब्धियों के क्षेत्र में शोध की नवीन संभानाओं से परिचित कराना.

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रीतिकालीन साहित्य के सौन्दर्य और उसमें अंतर्निहित कलात्मक अभिरुचि से परिचित हो सकेंगे.
- हिन्दी का रीतिकालीन साहित्य की काव्यात्मक, काव्यशास्त्रीय और व्याकरणिक दृष्टि से अध्ययन-अध्यापन एवं शोध की नवीन दृष्टियों और दिशाओं की जानकारी प्राप्त करेंगे.
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी के रीतिकालीन साहित्य की संरचना और ब्रज भाषा के अन्तर्सम्बन्धों जानकारी प्राप्त करने के साथ ही इस क्षेत्र में शोध एवं अनुसन्धान की समस्याओं को समझने और उनके तार्किक समाधान की दिशा में अग्रसर हो होंगे.

इकाई 1 : रीतिकालीन साहित्य : परम्परा, प्रेरणा और काव्यशास्त्र (13 घंटे)

- रीतिकालीन साहित्य और हिन्दी साहित्य का इतिहास, ऐतिहासिक सन्दर्भ, सामाजिक-सांस्कृतिक अवस्थिति, साहित्येहास की संरचना और रीतिकालीन साहित्यिक तत्वों का अध्ययन विश्लेषण, साहित्येहास में रीतिकाव्य के आंतरिक विभाजन (रीतिबद्ध, रीति सिद्ध और रीतिमुक्त) सम्बन्धी अध्यन की समस्याएँ, औचित्य और उक्त विभाजन सम्बन्धी वैकल्पिक एवं नवीन दृष्टिकोणों का शोध
- रीतिकालीन साहित्य और संस्कृत काव्यशास्त्र : रस, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य, संस्कृत काव्यशास्त्र के साहित्यिक मानदंड और रीतिकालीन काव्य में नव्य तत्वों का शोध-विश्लेषण
- रीतिकालीन साहित्य और आचार्य परम्परा, आचार्यत्व की भंगिमा, लक्षण-ग्रन्थ एवं अन्य साहित्यिक कृतियों का शास्त्रीय, सैद्धातिक एवं व्यावहारिक अध्ययन एवं इसकी समकालीन साहित्यि के संरचना, कला पक्ष और भाव पक्ष के आधार पर उपादेयता की खोज और शोध-अध्ययन
- रीति काव्य , रीति तत्व, रस, छंद और अलंकार, काव्य निरूपण, नायिका भेद, शास्त्रीय विवेचन, प्रेम, भक्ति, श्रृंगार, नीति, रीति, वीर रस से सम्बन्धी प्रवृत्तियों का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन

इकाई 2 : रीतिकालीन साहित्य और भारतीय सौन्दर्यशास्त्र (1 1 घंटे)

- सौन्दर्यशास्त्र : अर्थ, अवधारणा और भारतीय एवं पाश्चत्य सौन्दर्यशास्त्र के मानदंडों के आलोक में रीतिकालीन साहित्य का अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य में सौन्दर्यशास्त्रीय तत्त्व और कला सम्बन्धी समकालीन बहसों का तार्किक विश्लेषण और शोध.
- रीतिकालीन साहित्य और समकालीन कलाएँ : चित्रकला, स्थापत्यकला, मूर्तिकला और संगीत की आपसदारी तथा प्रेरणा और प्रभाव की अन्योन्याश्रारिता का शोध और अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य : लक्षण ग्रन्थ, पद्य रचनाएँ, गद्य रचनाएँ और समकालीन उर्दू कविता के साथ सहसम्बन्धों की दिशा और दशा का विश्लेषण. रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख एवं अल्पज्ञात ग्रन्थों का पाठालोचन, पाठकेन्द्रित अध्ययन और विश्लेषण.

इकाई 3 : रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन की समस्याएँ और आलोचकीय कसौटियाँ (11 घंटे)

- आलोचना और रीतिकालीन साहित्य, रीतिकालीन साहित्य संदर्भित विभिन्न आलोचना-दृष्टियाँ, काव्य निरूपण, श्रृंगारपरक, भक्तिपरक, नीतिपरक, वीरपरक रीतिकालीन साहित्य सम्बन्धी आलोचना की समर्थ्य और सीमाओं का अध्ययन
- औपनिवेशिक साहित्यिक नैतिकता और रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन की समस्याएँ और समाधान की नई दृष्टि, भारतीय चिन्तन परम्परा के साहित्यिक मूल्य और रीतिकालीन साहित्य
- दरबारी साहित्य, जन साहित्य, साहित्य की सामाजिक भूमिका जैसी आलोचकीय संरचनाएँ और रीतिकालीन साहित्य के मूल्यांकन सम्बन्धी तथ्य, तार्किकता और वास्तविकता का शोध अध्ययन
- रीतिकाव्य द्वारा अध्यात्मिक व्यंजना के बरक्स इहलौकिकता के कलात्मक सौन्दर्य के वैभव की प्रतिष्ठा, भौतिकता का आकर्षण के मूल्यांकन की सीमाओं का अध्ययन एवं तत्कालीन उर्दू-फारसी कविता की साझा सांस्कृतिक एवं भाषायी भूमि और भूमिका का अध्ययन-विश्लेषण

इकाई : 4 – रीतिकालीन साहित्य : शोध अध्ययन की नई संभावनाएँ (10 घंटे)

- मध्यकालीन काव्य शैलियाँ, लक्षण ग्रन्थ, प्रबंध ग्रन्थ, खंड काव्य, मुक्तक काव्य. कथानक रूढ़ियाँ, कवि समय और पारम्परिक काव्य प्रतिमानों के आलोक में रीतिकालीन साहित्य का अध्ययन.
- ब्रजभाषा का विकास, रीतिकालीन साहित्य, उर्दू और फारसी कविता और ब्रज भाषा में रचित रीतिकालीन साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन.
- रीतिकालीन साहित्य में चित्रित मध्यकाल का समाज, सामंतवादी परिदृश्य, कृषक, मजदूर, स्त्री-समाज और जीवन के वास्तविक तथ्यों की खोज, रीतिकालीन कवियों की व्यक्तिगत रुचि, लौकिक प्रेम का आधुनिक बोध के संदर्भ में शोध और विश्लेषण.
- भक्तिकाल के रीतिकाल में रूपांतरण की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परिस्थितियों सम्बन्धी पारम्परिक मान्यताओं का मूल्यांकन, साहित्यिक परम्परा के रूप में आदिकालीन साहित्य से रीतिकालीन साहित्य की यात्रा के साझा साहित्यिक तत्वों का शोध और विश्लेषण.

संदर्भ ग्रन्थ :

1. शुक्ल, रामचन्द्र, रस मीमांसा, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 2020
2. नगेन्द्र,डॉ., रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, 2021
3. शुक्ल, रामदेव, साक्षात रसमूर्ति : आनन्दघन कृत 'कृपानंद', अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
4. Santayana,George The Sense of Beauty, Anson Street Press, America, 2025
5. मिश्र, भगीरथ, हिन्दी रीति साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
6. जैन, निर्मला, रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
7. पाण्डेय. के.सी. कम्परेटिव एस्थेटिक्स, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1950
8. तिवारी, रामचन्द्र, रीतिकालीन हिन्दी कविता और सेनापति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2002
9. मेघ, रमेश कुंतल, मध्ययुगीन रस दर्शन और समकालीन सौन्दर्यबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
10. पचौरी, सुधीश. रीतिकाल सेक्सुअलिटी का समारोह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2017.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – आधुनिक हिंदी कविता : शोध की संभावनाएं और समस्याएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **आधुनिक हिंदी कविता : शोध की संभावनाएं और समस्याएं**	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कविता के शोध की संभावनाओं और दिशाओं की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों में आधुनिक हिंदी कविता के विकास के ऐतिहासिक संदर्भों की समझ पैदा करना।
- विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कविता में शोध की चुनौतियों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की पृष्टभूमि, विकासक्रम और शोध के क्षेत्र को समझेंगे
- विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की शोध की संभावनाओं और चुनौतियों को जानेंगे।
- विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के प्रयोग किए जा रहे शोध के मानकों, पद्धतियों आदि से परिचित होंगे

इकाई 1 : आधुनिक हिंदी कविता की अवधारणा एवं ऐतिहासिक संदर्भ

- आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रवृत्ति
- राष्ट्रीय बोध, नवजागरण और स्वच्छंदतावाद

इकाई 2 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की संभावनाएं

- ऐतिहासिक विकास क्रम एवं प्रवृत्तिगत परिवर्तनों का विश्लेषण
- आधुनिकता के परिवेशगत अनुभव और पश्चिमी आधुनिकतावाद के अंतःसंबंधों का विश्लेषण
- आधुनिक हिंदी कविता में विश्व साहित्य के प्रभावों का अध्ययन

इकाई 3 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की समस्याएं

- केंद्रीय विषय की अस्पष्टता
- पाठ आधारित मूल्यांकन की चुनौती
- समकालीन कविता का काल निर्धारण एवं सीमांकन

इकाई 4 : आधुनिक हिंदी कविता : शोध की चुनौतियां

- शोध पद्धति और आलोचकीय मानक
- गद्यात्मक, प्रतीक-बिम्ब एवं काव्यशास्त्र
- विविध सामाजिक संदर्भ एवं विमर्शों के प्रवेश की सार्थकता

संदर्भ ग्रंथ :

1. **पाठक, अभिजीत. आधुनिकता, भूमंडलीकरण और अस्मिता, आकार प्रकाशन,** संस्करण.2013
2. **सिंह, नामवर आधुनिकता, साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन,** संस्करण.2025
3. **सिंह, नामवर, छायावाद, राजकमल प्रकाशन,** संस्करण.2024
4. **बाली, तारकनाथ. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास, प्रभात प्रकाशन,** संस्करण.2017
5. **नवल, नंद किशोर. हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन,** संस्करण.2025
6. **मोहन, डॉ एन. समकालीन हिंदी कविता, राजपाल,** संस्करण.2022
7. **तिवारी, विश्वनाथ, प्रसाद. समकालीन हिंदी कविता, राजकमल प्रकाशन,** संस्करण.2010
8. **तिवारी, अजय. आधुनिकता पर पुनर्विचार, वाणी प्रकाशन,** संस्करण.2024
9. **विमल, गंगा प्रसाद. आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता, नयी किताब प्रकाशन** संस्करण.2021
10. **नवल, नन्द किशोर. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, वाणी प्रकाशन,** संस्करण.2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester I (For One Year PG)

Semester III (For Two Year PG)

DSE – काव्यशास्त्र: शोध की संभावनाएँ एवं समस्याएँ

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **काव्यशास्त्र: शोध की संभावनाएँ एवं समस्याएँ**	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों में भारतीय काव्यशास्त्र और पश्चिमी साहित्य में समान रूप से विशिष्ट परंपरा कोपरखने की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों को काव्य के रूप, भाषाऔर अर्थ को समझने की दिशा का बोध कराना।
- काव्य की रचनात्मक प्रक्रिया, शास्त्रीय सिद्धांतों और उसे समाज में मिलने वाली स्वीकृति की ज्ञान-विज्ञान सम्मत समझ बढ़ाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- काव्यशास्त्र से विद्यार्थियों को साहित्य के शास्त्रीय और तात्त्विक रूप को समझने में सहायता मिलेगी और वे नई स्थापनाओं की खोज कर सकेंगे।
- भारतीय काव्यशास्त्र और पश्चिमी साहित्य में समान रूप से विशिष्ट परंपरा को परखने की समझ विकसित होगी।
- काव्यशास्त्र में शोध की संभावनाएं और समस्याएं दोनों एक विशिष्ट क्षेत्र को संपुष्ट करते हैं, जिससे शोध के क्षेत्र में और अधिक व्यापकता बढ़ेगी।

इकाई–1: **(10 घंटे)**

- काव्यशास्त्र के भारतीय और पश्चिमी दृष्टिकोणों का परिचयात्मक अध्ययन

- काव्य की अवधारणा और उसकी भूमिका का विभिन्न संस्कृतियों में विकास
- भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धांतोंऔर पश्चिम के विचारकों के साहित्यिक सिद्धांतों के बीच तुलना
- काव्यशास्त्र में भाषाई और सांस्कृतिक अवरोध

इकाई –2: (11 घंटे)

- काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना
- काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का समकालीन साहित्य और संस्कृति के संदर्भ में परीक्षण और विश्लेषण
- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों में भिन्नताएँ और परिभाषाएँ
- प्रत्येक सिद्धांतों की अपनी व्याख्यायें और एक समग्र या सार्वभौमिक सिद्धांत विकसित होने कीं समस्याएँ

इकाई –3: (11 घंटे)

- भारतीय काव्यशास्त्र पर संस्कृत साहित्य के विभिन्न तत्व और अंग के स्वरूप
- संस्कृत काव्यशास्त्र के आचार्यों द्वारा दी गई परिभाषाओं और सिद्धांतोंकी काव्यप्रवृत्तियों के संदर्भ में नए अनुसन्धान
- समकालीन काव्यशास्त्र में पश्चिमी आलोचना पद्धतियोंऔर दृष्टिकोणों के बीच संतुलन और उनके बीच सामंजस्य
- भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य आलोचना के विमर्श : संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, स्त्री विमर्श

इकाई –4: (13 घंटे)

- काव्यशास्त्र और संस्कृति, काव्यशास्त्र की समाज में उपयोगिता
- काव्यशास्त्र और भाषा के उपयोग और उसके प्रभाव पर गहन शोध
- काव्यशास्त्र और आधुनिक साहित्य में शोधकर्ताओं को नए काव्यशास्त्रीय दृष्टिकोणों और सिद्धांतों को विकसित करने की आवश्यकता
- काव्यशास्त्र का उद्देश्य : काव्य का सौंदर्यशास्त्र या रसात्मक अनुभव

सहायक ग्रंथ:

1. डॉ. नगेन्द्र - शोध और सिद्धांत, पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
2. डॉ. विजयपाल सिंह, हिन्दी अनुसन्धान, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली
3. डॉ. शशिभूषण सिंघल - साहित्यिक शोध के आयाम, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
4. डॉ. विनय मोहन शर्मा - शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
5. डॉ. मनमोहन सहगल - हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
6. रवीन्द्र कुमार जैन - साहित्यिक अनुसन्धान के आयाम, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
7. डॉ.एस.एन. गणेशन - अनुसन्धान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. डॉ. ओमप्रकाश– अनुसन्धान की समस्याएँ, आर्य बुक डिपो, करोलबाग, नई दिल्ली

9. डॉ. म.ह. राजुरकर - हिन्दी अनुसंधान स्वरूप और विकास,नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
M.A. (Hindi) 1st / 2nd Year
Structure 3 (Level 6.5) : Research
SemesterI (For One Year PG)
SemesterIII (For Two Year PG)
DSE – शोध : प्रविधि, प्रक्रिया एवं उपकरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **शोध : प्रविधि, प्रक्रिया एवं उपकरण**	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित कराना ।
- शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत कराना ।
- शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी शोध के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित हो सकेंगे ।
- शोध के प्रकार एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे ।
- शोधकार्य में कंप्यूटर के उपयोग की जानकारी के साथ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करेंगे ।

इकाई –1:शोध का सैद्धांतिक पक्ष (11 घंटे)

- शोध और आलोचना
- शोध और इतिहास बोध

- शोध में तथ्य एवं सत्य
- शोध में तर्क, अनुमान, कल्पना आदि की भूमिका

इकाई–2 :शोध की पद्धतियां (11 घंटे)

- ऐतिहासिक, तुलनात्मक, विधेयवादी
- पाठानुसंधान, पाठालोचन, भाषा वैज्ञानिक
- सांस्कृतिक अध्ययन, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक
- संरचनावादी, उत्तर- संरचनावादी

इकाई–3 :शोध की प्रक्रिया (13 घंटे)

- शोध कार्य हेतु विषय चयन, शोध समस्या का निर्धारण एवं शोध के उद्देश्य
- पूर्व उपलब्ध साहित्य की समीक्षा
- शोध सामग्री संकलन और उसकी विभिन्न पद्धतियां
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण की पद्धतियां, अध्यायीकरण, प्रस्तावना एवं उपसंहार लेखन
- संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण, उद्धरण तथा संदर्भोल्लेख की पद्धतियां (MLA, APA, Chicago)
- शोध प्रबंध / शोधार्थी की भाषा-शैली

इकाई – 4 : शोध : कंप्यूटर नेटवर्क और संहिता (10 घंटे)

- शोध : कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, ICT, AI एवं इंटरनेट सामग्री का प्रयोग
- ई-स्त्रोतों का परिचय, शोध कार्य में उनकी प्रासंगिकता, विभिन्न वेबसाईट, पत्रिकाएं, पुस्तकें, पुस्तकालय एवं ऑनलाइन आर्काइव का उपयोग एवं प्रयुक्ति
- सॉफ्टवेयर उपकरण :साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर, जैसे – टर्निटिन, उरकुंड, ड्रिलबिट, क्यूटेक्स्ट, प्लेगस्कैन, आदि ।
- प्रकाशन संबंधी नैतिकता, अनैतिक व्यवहार एवं समस्याएं
- बौद्धिक ईमानदारी एवं शोध-निष्ठा, बौद्धिक संपदा संबंधी कानून

व्यावहारिक कार्य :

- शोध हेतु ई-सामग्री की वेबसाईट, ऑनलाइन आर्काइव, पत्रिकाओं एवं पुस्तकों की सूची तैयार करना ।
- शोध में सहायक सॉफ्टवेयर पर रिपोर्ट लेखन ।
- सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार हेतु प्रश्नावली का निर्माण ।
- साहित्य समीक्षा ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कार्य ।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र.अनुसंधान की प्रक्रिया,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1960.
2. शर्मा, विनयमोहन.शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1973.
3. सिंह, सरनाम.शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली, 1964.
4. त्रिपाठी, विनायक.शोध प्रविधि *:* अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली,2020.
5. गणेशन, एस. एन..अनुसंधान प्रविधि *:* सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश,2021.
6. सिंहल, बैजनाथ; शोध *:* स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023.
7. राजूरकर एवं बोरा, भ.ह., एवं राजमल (संपादक), हिंदी अनुसंधान का स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली,1978.
8. सूरती, डॉ. उर्वशी जे; अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई, महाराष्ट्र, 1973.